प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड की **50**वीं आम वार्षिक बैठक

कोलकाता, अगस्त 22, 2017

1.0 **हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड की** 50**वीं आम वार्षिक बैठक (एजीएम), बुधवार,** 22 **अगस्त** 2017 **को, इसके कोलकाता स्थित निगमित कार्यालय में सम्पन्न हुई। श्री कैलाश धर दीवान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अप्रनि) ने इस बैठक की अध्यक्षता की। श्री हेमंत मेहतानी, स्वतंत्र निदेशक व अध्यक्ष, लेखापरीक्षण समिति; श्री अनुपम आनंद, निदेशक (कार्मिक); श्री एस. क. भट्टाचार्य, निदेशक (खनन) एवं श्री संतोष शर्मा, निदेशक (प्रचालन) ने इस बैठक में प्रतिभागिता की।**

2.0 **शेयरधारकों ने वर्ष** 2016-17 **के वार्षिक प्रतिवेदन को, वर्ष के लिए वार्षिक एवं समेकित वित्तीय विवरणों सहित, अपना अनुमोदन दिया। शेयधारकों ने वर्ष** 2016-17 **के लिए, ईक्विटी पर** 4%, **यानि - रु.** 5/- **के अंकित मूल्य वाले प्रति शेयर रु.** 0.20 **की दर से डिविडेण्ड का भुगतान किए जाने के लिए एजीएम के दौरान अनुमोदन भी किया। इस मद में डिविडेण्ड के लिए रु.** 18.50 **करोड़ तथा डिविडेण्ड पर लगने वाले कर के मद में रु.** 3.77 **करोड़, यानि - कुल रु.** 22.27 **करोड़ का व्यय होगा।**

3.0 **अपने सम्बोधन में, श्री के. डी. दीवान, अध्यक्ष, निदेशक मण्डल ने कम्पनी द्वारा इसके नवम्बर,** 1967 **के प्रारम्भ से लेकर आज तक हुई प्रगति पर विशेष चर्चा की और इसके कामकाज के** 50 **वर्षों के दौरान की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में भी चर्चा की। श्री दीवान ने इस बात पर ज़ोर दिया कि, वित्त वर्ष** 2016-17 **के दौरान, कठिन परिस्थितियों तथा बाज़ार के विस्फोटक परिदृश्य के बावजूद, एचसीएल ने धातु जगत की अन्य एकीकृत उत्पादक कम्पनियों की तुलना में बेहतर परिणाम प्रस्तुत किए हैं।**

4.0 **वर्ष** 2016-17 **के दौरान, बिक्री की कुल मात्रा** 24,112 **टन रही, जिसके अनुसार** 20% **की वृद्धि प्राप्त हुई। कम्पनी ने रु.** 62.17 **करोड़ के कर-उपरांत लाभ (पीएटी) द्वारा** 63% **की वृद्धि हासिल की है, जो कि वित्त वर्ष** 2015-16 **में रु.** 37.97 **करोड़ था। वित्त वर्ष** 2016-17 **के दौरान, कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) रु.** 94.55 **करोड़ रहा, जो कि वित्त वर्ष** 2015-16 **में रु.** 39.96 **करोड़ था। बिक्री टर्नोवर में रु.** 1216.94 **करोड़ की उपलब्धि द्वारा वित्त वर्ष** 2015-16 **के रु.**1068.95 **करोड़ की तुलना में** 14% **की वृद्धि हासिल हुई है। श्री दीवान ने इस बात का भी उल्लेख किया कि कम्पनी**

उत्पादन की लागत घटाने तथा आंतरिक सुधार कार्यक्रमों के माध्यम से अतिरिक्त राजस्व आय करने पर ज़ोर दे रही है।

<u>विकास के प्रयास</u>

5.0 कम्पनी की ध्वजावाही परियोजना, 50 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाली मलांजखण्ड भूमिगत खान के विकास का कार्य अच्छी तरह से प्रगति कर रहा है। दिसम्बर, 2018 से इस भूमिगत खान से अयस्क उत्पादन के प्रारम्भ होने की आशा की जाती है।

6.0 वर्ष के दौरान, कम्पनी खान विकास कार्य में महत्वपूर्ण प्रगति करने की आशा करती है, जिसके क्रम में खेतड़ी की बनवास खन के लिए एक एमडीओ की नियुक्ति की गई है। साथ ही, घाटशिला, झारखण्ड स्थित केंदाडीह एवं राखा खानों की परियोजनाओं के पुनरारम्भ के लिए पर्यावरण एवं वन अनुमतियाँ मिल गई हैं।

7.0 **कम्पनी ने नव-अधिगृहीत गुजरात कॉपर प्रोजेक्ट (जीसीपी) के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक प्रारम्भ कर दिया है तथा** 6 **अक्टूबर,** 2016 **को इसे माननीय मुख्य मंत्री, गुजरात एवं माननीय केन्द्रीय खान मंत्री द्वारा इसे राष्ट्र को समर्पित किया गया है। वर्ष के दौरान, जीसीपी से** 8,906 **टन कॉपर कैथोड का उत्पादन हो चुका है।**

8.0 अगले वित्त वर्ष में कम्पनी का ध्यान विस्तरण कार्यक्रमों को यथाशीघ्र पूरा करने तथा भड़ूच स्थित **गुजरात कॉपर प्रोजेक्ट** के उत्पादन को बढ़ाने की ओर केन्द्रित होगा।

9.0 वित्त वर्ष **2016-17** के दौरान, कम्पनी ने **"**अपशिष्ट से सम्पदा**"** पर एक परियोजना प्रारम्भ की है। ताम्र अयस्क पर रासायनिक प्रक्रिया से उत्पन्न कॉपर ओर टेल्स (सीओटी) नामक एक अपशिष्ट में से खनिजों एवं सामग्रियों को प्राप्त करने हेतु, एक अनुकूल तकनीकी विकसित की गई है। प्रति वर्ष 3.3 मिलियन टन की क्षमता वाले एक सीओटी प्रसंस्करण संयंत्र की कम्पनी की ध्वजावाही इकाई, मलांजखण्ड में स्थापना एवं प्रारम्भ किए जाने हेतु, एक ठेका भी दिया गया है। इस परियोजना से वित्त वर्ष 2017-18 में कार्य प्रारम्भ होगा। यह कम्पनी के लिए एक महत्वपूर्ण मूल्य संवर्धक होगा।

10.0 कम्पनी लागत-प्रभावी हाइड्रो-मेटलर्जी तकनीकी द्वारा कॉपर कैथोड का निर्माण करने हेतु, प्रति वर्ष 1.0 लाख टन क्षमता वाले एक संयंत्र को स्थापित करने पर विचार कर रही है। इसके लिए जगह का चुनाव कर लिया गया है और इसके लिए रु. 3025 करोड़ का निवेश होगा। बोर्ड के अनुमोदन के पश्चात इसे मंत्रालय में सीसीईए का अनुमोदन के लिए भेजा गया है।

कौशल विकास

11.0 एचसीएल ने खेतड़ीनगर कॉपर कॉम्प्लेक्स में एक उन्नत प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से एक कौशल विकास संस्थान स्थापित किया है। यहाँ पर तीन व्यवसायों, यानि - ब्लास्टर, सर्वेक्षण तथा लोको/लोडर कार्यों को प्रशिक्षण के लिए चिह्नित किया गया है। वि.व. 2017-18 में सर्वेक्षण व्यवसाय में छः माह के प्रशिक्षण हेतु प्रति बैच 30 प्रशिक्षुओं वाले बैचों की परिकल्पना की गई है। पहले बैच का प्रशिक्षण 12.04.2017 से प्रारम्भ हो गया है।

निगमित प्रशासन

12.0 केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम विभाग द्वारा अधिसूचित प्रतिवेदन के अनुसार, वर्ष 2015-16 के लिए कम्पनी को निगमित प्रशासन के अनुपालन हेतु "उत्कृष्ट" श्रेणी प्रदान की गई है।

****